an>

Title: Need to conduct skill development programmes and set up small scale industries in hill states.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार) ः सम्पूर्ण हिमालयी क्षेत्र सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ दशकों से समूचा पर्वतीय क्षेत्र पलायन की विकट समस्या का सामना कर रहा है। अनियंत्रित पलायन से जहां एक ओर हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है वहीं दूसरी ओर हमारी संस्कृति के संरक्षण और संवर्द्धन के प्रयासों को अप्रत्याशित क्षति हो रही है। पलायन का मुख्य कारण पर्वतीय क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की अत्यधिक कमी है। मौसम परिवर्तन, मूलभूत सुविधाओं का नितांत अभाव तथा समय-समय पर आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदाओं ने क्षेत्र के लोगों का जीवन तबाह कर दिया है। पिछले वर्षों में केदारनाथ की भीषण त्रासदी और उसके पश्चात् जम्मू-कश्मीर में आयी भीषण जल-प्रलय इसका जीता-जागता उदाहरण है।

मेरा केन्द्र सरकार से निवेदन है कि देश और दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हिमालय क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं के दृष्टिगत इस क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ अनेक प्रकार के कौशल विकास के कार्यक्रम चलाएं जाएं जो कि स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। इस शृंखला में जड़ी-बूटी उत्पादन, ऑर्गेनिक खेती, फ्लोरीकल्चर, बागवानी, खाद्य प्रसंस्करण, ईको टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, आयुर्वेदिक उत्पादन को विशेष महत्व दिया जाये ताकि हिमालय क्षेत्र की इस गंभीर समस्या से निजात मिल सके।